ployees on the rolls of the company have been paid wages and salary upto November '98 on 10.12.98.

(b) to (d) Does not arise.

कोर सेक्टर में नकारात्मक विकास दर

2365. **श्री कपिल सिब्बल** :

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया :

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 26 नवम्बर, 1998 के "द इकोनामिक टाइम्स" में "कोर सैक्टर" पोस्टट्स नैगेटिव ग्रोथ" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या चालू वित्तीय वर्ष के विगत महीनो में मूल उद्योगों की विकास दर में भारी कमी आई हैं; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं और इन मूल उद्योग के उत्पादन में सरकारी तथा निजी क्षेत्र की भागीदारी का अलग-अलग वर्तमान प्रतिशत क्या-क्या हैं?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त) : (क) और (ख) छः कोर सैक्टर का क्षेत्रवार तथा समग्र विकास निम्नानुसार हैं:-

आधार: 1993-94=100

(प्रतिशत परिवर्तन)

उद्योग	**भार**	1996-97	1997-98	1997-98 (**अप्रैल-अक्तूबर**)	1998-99 (**अप्रैल- अक्तूबर**)
कोयला	3.22	5.7	3.6	4.8	2.0
कच्चा तेल	4.17	-4.7	3.1	3.0	-3.7
विद्युत	10.17	3.8	6.5	6.9	6.3
इस्पात	5.13	5.7	3.5	6.6	-3.1
सीमेंट	1.99	9.6	9.1	7.4	2.7
पैट्रोलियम रिफाइनरी	2.00	7.0	3.6	5.0	2.3
समग्र	26.68	3.7	5.1	5.9	1.7

अप्रैल-अक्तूबर, 1998 के दौरान छः अवसंरचना उद्योगों का समग्र विकास 17% हैं जबकि पिछले वर्ष की तुलनात्मक अवधि के दौरान यह दर 5.9% थी। अप्रैल- अक्तूबर, 1998 के दौरान विद्युत, सीमेंट, कोयला तथा पैट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों में विकास सकारात्मक रहा हैं। तथापि,कच्चे तेल तथा इस्पात ने नकारात्मक वृद्वि दर्शाई हैं।

(ग) अप्रैल- अक्तूबर, 1998 के दौरान सार्वजानिक तथा निजी क्षेत्रों का अंश निम्नानुसार हैं:-

(प्रतिशत)

उद्योग	(**सार्वजानिक क्षेत्र**)	(**निजी क्षेत्र**)
कोयला	98.2	1.8
विद्युत उत्पाद	93.0	7.0
इस्पात	32.8	67.2
सीमेंट	3.7	96.3
पैट्रालियम रिफाइनरी	100.0	-
कच्चा तेल	90.0	10.0

*वर्ष 1997-98 के लिए

खाद्य प्रसंकरण उद्योग में कुटीर उद्योग क्षेत्र की स्थापना करना

2366. **श्री बरजिन्दर सिंह** :

श्री कपिल सिब्बल :

क्या उघोग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच हैं कि सरकार ने देश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में लघु और कुटीर उद्योग क्षेत्र स्थापित करके कम निवेश पर रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध करवाने की सम्भावना का पता लगाया हैं;

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में कुटीर और लघु उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा